<u>राज्य सभा</u>

अतारांकित प्रश्न संख्या 480

05 फरवरी, 2020 को उत्तर के लिए

'सेल' और इसका वित्तीय कार्यनिष्पादन

480. श्री महेश पोद्दारः

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) को पिछली तिमाही में 523.03 करोड़ रुपये का घाटा हुआ है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार 'सेल' की वित्तीय स्थिति में सुधार लाने के लिए नीति में कोई बदलाव लाने के संबंध में योजना बना रही है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

<u>उत्तर</u>

इस्पात मंत्री **(श्री धर्मेंद्र प्रधान)**

(क) और (ख): जी हाँ। स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने 2019-20 की दूसरी तिमाही में 523.03 करोड़ रुपये का घाटा दर्ज किया है। 2019-20 की पहली छमाही तथा 2019-20 की पहली और दूसरी तिमाही के दौरान इस कंपनी के वित्तीय परिणाम निम्नलिखित हैं:-

(करोड़ रुपये में)

वर्ष	टर्नओवर (सकल)	सकल मार्जिन (ईबीआईडीटीए)	ब्याज	मूल्यह्रास	अपवादिक/ अपसामान्य मद मुनाफा (-)/हानि (+)	कर पूर्व लाभ (+)/ घाटा (-) (पीबीटी)	कर	कर के बाद निवल लाभ (+)/ घाटा (-) (पीएटी)
1	2	3	4	5	6	7= (3-4-5-6)	8	9 = (7-8)
पहली तिमाही 19-20	14645	1766	788	872	-2	104	35	69
दूसरी तिमाही 19-20	13951	1322	940	901	4	-523	180	-343
पहली छमाही 19-20	28596	3089	1729	1774	-5	-419	-145	-274

(ग) और (घ): जी नहीं। महारत्न कंपनी होने के कारण, सेल अपनी वित्तीय स्थिति में सुधार करने के संबंध में निर्णय लेने के लिए पूर्णतया अधिकार संपन्न है।

****